www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग चेतना साहित्य-१३६

धन्वंतरि, कर्ण और दधीचि- हमारे वृक्ष

युग ऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

यह पुस्तिका स्वयं पढ़ें, परिवार में सबको पढ़ाएँ ।
एक सप्ताह बाद किसी अन्य पात्र व्यक्ति को दे दें ।

सौजन्य से :

A 257

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

YUG NIRMAN YOJANA, GAYATRI TAPOBHUMI
MATHURA, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

आत्मीय अनुरोध

परमपूज्य गुरुदेव की आकांक्षानुसार उनके उत्कृष्ट चिंतन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न विषयों पर अति अल्प मूल्य वाली पुस्तकों का **युग चेतना साहित्य** प्रकाशित किया जा रहा है । न्यूनतम १०० पुस्तिका मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजना चाहिए । शक्तिपीठें एक साथ अधिक साहित्य मँगाकर स्थानीय कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करा सकती हैं । उदार दानी भामाशाहों को अपने धन का सदुपयोग ज्ञानयज्ञ में करके पुस्तिकाएँ समाज में वितरित करनी चाहिए । इसी प्रकार के क्रांतिकारी चिंतन की पाठ्यसामग्री के स्वाध्याय हेतु 'युग निर्माण योजना' मासिक पत्रिका (वार्षिक शुल्क ३०) रुपया) के सदस्य बनें ।

-लीलापत शर्मा
व्यवस्थापक
युग निर्माण योजना, मथुरा

मूल्य : ३० पैसे

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

धन्वंतरि, कर्ण और दधीचि-हमारे वृक्ष

कहते हैं भगवान् शंकर ने प्राणी मात्र की रक्षार्थ समुद्र मंथन में निकला विष स्वयं पी लिया था और अमृत देवताओं को बाँट दिया गया था । संभव है सतयुग में कोई ऐसी घटना घटित हुई हो, पर इस घटना को हम अभी भी देख रहे हैं कि वृक्ष निर्जीव होते हुए भी किसी प्रकार मनुष्य के हिस्से में पड़े विष को पीते रहते हैं और उन्हें प्राण दान देते रहते हैं । हमारे ऋषियों ने कहा है कि मनुष्य की आयु वृक्षों की कृपा पर आधारित है, यह कथन अक्षरशः सत्य है । वैज्ञानिक भी इस बात से सहमत हैं कि मनुष्य की आयु को वृक्ष बहुत प्रभावित करते हैं ।

इसका एक सूक्ष्म, किंतु विशद् विज्ञान

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

है । शंकर की तरह यह संसार का विष पीकर ही अपना जीवन धारण किए रहते हैं । पेड़ अपनी पत्तियों द्वारा साँस लेकर कार्बन डाई आक्साइड जो एक प्रकार का विष ही है, खींचते हैं और उसी के कारण फलते–फूलते और विकसित होते रहते हैं । कार्बन डाई आक्साइड मनुष्यों और पशुओं के मुँह और अपान मार्ग से निकली हुई दूषित वायु है । और भी अनेक प्रकार की गंदगी और सड़न पैदा होकर वायु को विकारग्रस्त बनाती रहती है । यदि इस दूषित वायु को विषपायी वृक्ष पीने से इंकार कर दें तो हमारे ऊपर जितना एक घनफुट वायु का दबाव रहता है, उतना ही इस दुर्गंधित गैस का हो जाता और उस अवस्था में हमारा जीवित रह सकना भी संभव न होता ।

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

यह विभीषिका तब नहीं तो अब आने वाली है । एक ओर आबादी बढ़ रही है, तो गंदगी बढ़ रही है और उससे वायु मंडल के विकार बढ़ रहे हैं । दूसरी ओर पेड़ कट रहे हैं, तो उस विष को पचाने वाली प्राकृतिक क्षमता घट रही है, उसका प्रभाव जन जीवन पर प्रकट है । अनेक तरह के रोग बढ़ रहे हैं और उनके लिए दवाओं की व्यवस्था पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है, फिर भी रोगियों की संख्या कम नहीं हो रही है । अब निरोग व्यक्तियों की संख्या उँगलियों में न गिनने योग्य बनती चली जा रही है । शरीर के किसी न किसी हिस्से के रोगी प्रायः सभी हैं, किसी का पेट ठीक नहीं, किसी का दिल ठीक नहीं, किसी का मस्तिष्क काम नहीं करता, किसी के फेंफड़े । तात्पर्य

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

यह है कि रोग बढ़ रहे हैं । भीम, हनुमान, बालि, अंगद, घटोत्कच जैसे वज्र शरीर वाले अब कहीं देखने को नहीं मिल रहे । इसका कारण खाद्य की कमी, पौष्टिकता का अभाव नहीं वरन् प्राकृतिक दबाव है, अब कोई अच्छा से अच्छा खाकर और पूरा संयमित रह कर भी भीमसेन या बजरंगवली नहीं बन सकता ।

वृक्षों में जितनी क्षमता है, उतना विष पी रहे हैं, विष की मात्रा बढ़े और वृक्ष घटें तो उनका दोष क्या ? दोष मनुष्य जाति का है जो अपने जाग्रत शंकर पर जल डालने की अपेक्षा उन पर कुल्हाड़े चलाती है ।

वृक्ष हैं जो इतनी मार खाकर भी अपने धर्म से विचलित नहीं होते । ये केवल विष नहीं पीते, प्राण दान भी देते हैं । वृक्ष एक ओर

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

कार्बन डाई आक्साइड पीते हैं, तो दूसरी ओर ऑक्सीजन गैस छोड़ते हैं । ऑक्सीजन प्रकृति से पर्याप्त मात्रा में मनुष्य या अन्य प्राणियों को उपलब्ध न हो तो वे एक दिन भी जीवित नहीं रह सकते । श्वाँस द्वारा प्राप्त होने वाला यह अमृत हमें बहुत करके वृक्ष–वनस्पतियों द्वारा ही प्राप्त होता है । इस बात को जानते हुए भी लोग वृक्ष काटते हैं और उनकी संख्या दिनों दिन कम करते जा रहे हैं, यह बड़ी चिंता की बात है ।

वृक्ष अर्थात् भगवान् धन्वंतरि

संसार में जितनी वनस्पति हैं, वह सब औषधि रूप हैं, ऐसा आयुर्वेद ग्रंथों में बताया गया है । इस रूप में छोटे–बड़े सभी पेड़–पौधे मनुष्य जाति की सेवा करते हैं । अनेक वृक्षों के

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

फल जैसे–बेल, आँवला, नीम, बहेड़ा आदि औषधियों में प्रयुक्त होते हैं । अनेक के फूल काम आते हैं । कितने ही वृक्षों की डालियाँ और छालें दवाओं के काम आती हैं । पीपल आदि की समिधाओं से यज्ञ करके बड़े–बड़े राज–रोगों को दूर करने के विधान हिंदुओं के धर्म ग्रंथों में विस्तार से मिलते हैं । पहाड़ी इलाकों में पाए जाने वाले अनेक वृक्षों का उपयोग केवल औषधियों के रूप में ही किया जाता है । चंदन की लकड़ियों की उपयोगिता और सुगंध प्रसिद्ध है। गूलर के फल, अंजीर के फल तथा जैतून के तेल की रोग निरोधक शक्ति की वैद्य लोग बड़ी प्रशंसा करते हैं । तुलसी की मंजरी से लेकर जड़, पत्ते, फूल आदि औषधि रूप में बड़े उपयोगी माने जाते

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

हैं । देवप्रिय आँवला, पीपल, तुलसी आदि मनुष्य के लिए इतने उपयोगी हैं कि इन्हें देवता कहकर उनकी पूजा और उपासना का भी विधान बताया गया है । नीम की चर्म–रोग निरोधक शक्ति से सभी परिचित हैं ।

हिंदू धर्म में दान, बलिदान, आत्मदान और सर्वस्व दान की गौरव गाथाएँ भरी पड़ी हैं । कर्ण, दधीचि, सत्यवादी हरिश्चंद्र, मोरध्वज, बलि और वाजिश्रवा के त्याग और बलिदान से इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं । इन महापुरुषों के प्रति श्रद्धा से मस्तक झुक जाता है । समाज के लिए जीवन उत्सर्ग कर देने वालों के प्रति यह सम्मान कोई बड़ी बात नहीं, ऐसा करना तो जीवन का मुख्य कर्त्तव्य होना ही चाहिए । इस दृष्टि से इन पेड़ों की त्याग–

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
वृत्ति भी कुछ कम नहीं । जड़ से लेकर फल-फूल तक सर्वस्व समाज के लिए होम देने की पुण्य साधना के प्रति जितनी श्रद्धा व्यक्त की जाए, थोड़ी है ।

कदाचित् ये पेड़ पढ़े-लिखे होते और लेखनी चलाने की उनमें क्षमता रही होती, तो उनके इतिहास में भी ऐसी करोड़ों गौरव-गाथाएँ लिखी गई होतीं । किस वृक्ष ने १०० वर्ष तक करोड़ों रुपए के फल दिए इसका उल्लेख होता, किसी की एक हजार वर्ष तक निरंतर छाया, औषधि, फूल, लकड़ी, छाल आदि देने का उल्लेख होता और तब हम भी साधुवाद दिए बिना न रहते । सचमुच वृक्षों ने वरदान मानवता को दिए, दे रहे हैं और आगे देंगे, मनुष्य उनका भी ऋण न चुका सकेगा ।

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

शास्त्रीय आदेश, आध्यात्मिक महत्त्व और वृक्षों के अनुदानों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए यह आवश्यक है कि हम उनकी रक्षा करें और उन्हें एक बहुमूल्य संपत्ति मानकर उनकी समृद्धि का प्रयत्न करें । इसमें मानव जाति का बड़ा हित है । वृक्षों की सघनता जितनी बढ़ेगी, उतना ही अधिक हमें आध्यात्मिक, प्राकृतिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी प्राप्त होंगे ।

घर–घर तुलसी के पौधे लगाएँ

तुलसी के लाभ और महत्त्व से हर व्यक्ति को परिचित होना चाहिए । किसी समय में हर घर में कम से कम एक तुलसी का बिरवा अवश्य होता था और बिना उसे जल दिए लोग अन्न ग्रहण नहीं करते थे । तुलसी का पौधा

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
इतना छोटा होता है कि उसके लिए जमीन की कमी का प्रश्न किसी के सामने नहीं हो सकता । शहरों में जहाँ स्थान की बड़ी कमी रहती है, वहाँ भी निष्ठावान लोग गमलों में तुलसी का पौधा लगाकर रखते हैं । वह कार्य कुछ मुश्किल नहीं है । हर गृहस्थ दो–तीन गमले बड़े मजे से अपने घर में लगाए रख सकता है । गाँवों में इसके लिए स्थान भी दिया जा सकता है ।

तुलसी आंदोलन को महत्त्वपूर्ण स्थान देना चाहिए । इसके लिए जिसके पास अधिक स्थान उपलब्ध हो उन्हें तुलसी कानन लगाने चाहिए । किसानों को तुलसी की खेती के लिए एक–दो बीघे जमीन रखने की प्रेरणा देनी चाहिए । इसकी डाल, पत्तियों तथा बीजों की

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

छोटी–छोटी दवाएँ बनाकर रखनी चाहिए और उनका प्रयोग बढ़ाना चाहिए । तुलसी कानन से छोटे–छोटे पौधे निकाल कर गमलों में लगाकर ऐसे बहुत से घरों में जो तुलसी लगाने में आलस्य दिखाएँ, उन्हें बाँटने चाहिए और उन्हें नियमित रूप से उसमें जल डालने, पत्तियाँ सेवन करने, पौधों की सुरक्षा रखने, अगरबत्ती जलाने और आरती करने की भी प्रेरणा देनी चाहिए । जो लोग चाय पीने के अभ्यस्त हों, उन्हें चाय की पत्तियों के स्थान पर तुलसी की पत्तियों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए । तुलसी और उससे लाभ की विस्तृत जानकारी देने के लिए युग निर्माण योजना द्वारा प्रकाशित पुस्तक **''तुलसी के चमत्कारी गुण''** से इस संबंध में विस्तृत जानकारी और

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

मार्ग–दर्शन प्राप्त किया जा सकता है ।

हम नए वृक्ष और बगीचे लगाएँ और दूसरों को प्रेरणा दें, यह एक बात है, पर कम से कम इतना तो सभी करें कि हरे वृक्ष न काटे जाएँ । इसे भी एक प्रकार की अमानवीयता ही कहना चाहिए । वृक्ष लगाने का पुण्य प्राप्त न करें, तो उनके काटने के पाप से तो हमें बचना ही चाहिए ।

आशा है आपको यह पुस्तिका अच्छी लगी होगी । इस पुस्तिका को एक सप्ताह से अधिक अपने पास रखना ज्ञानयज्ञ में विघ्न डालना है । आप भी कुछ पुस्तकें समाज में वितरित करें ।

मुद्रक : युग निर्माण प्रेस, मथुरा

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

ज्ञानयज्ञ की क्रांतिकारी योजनाएँ

(१) **श्रीराम झोला पुस्तकालय**–समयदान के अंतर्गत परिजन नित्यप्रति न्यूनतम एक घर में साहित्य बदलने का कार्य करें । पूज्यवर के चिंतन को घर–घर पहुँचाएँ ।

(२) **माता भगवती स्वचालित पुस्तकालय**–नियमित दैनिक अंशदान (न्यूनतम ५० पैसा प्रतिदिन) ज्ञानयज्ञ के लिए निकालकर १५) रुपए की युग चेतना साहित्य की ५० पॉकेट बुक्स प्रतिमाह पढ़ने के लिए बाँटें ।

(३) **गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना**–पुरानी पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना की स्लिप लगाकर समाज में वितरित कर दें । स्लिप गायत्री तपोभूमि, मथुरा से मँगा सकते हैं ।

(४) **युग चेतना साहित्य वितरण योजना**–३० पैसा मूल्य वाली १६ पेजी पॉकेट बुक्स न्यूनतम ९०० मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजकर मँगाएँ और वितरित करें ।

संपर्क सूत्र–**विचार क्रांति अभियान**
युग निर्माण योजना, मथुरा–२८१००३

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग ऋषि चिंतन

विचारों की विचारों से काट, आस्थाओं का परिष्कार और उल्टे को उलट कर सीधा करना ही विचार क्रांति का लक्ष्य है । सद्ज्ञान का आलोक नासमझी के अंधकार को मिटाने का कार्य संपादित करे । हमारे विचार बड़े पैने हैं, तीखे हैं । दुनिया को पलटने का जो दावा हम करते हैं, वह सिद्धियों से नहीं, अपने सशक्त विचारों से करते हैं । आप इन विचारों को फैलाने में हमारी सहायता कीजिए ।

-पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

अधिक जानकारी के लिए पढ़ें : वृक्षारोपण एक परम पुनीत पुण्य-२), तुलसी के चमत्कारी गुण-३), स्वास्थ्य रक्षा प्रकृति के अनुसरण से ही संभव-६), युग ऋषि का अध्यात्म-युग ऋषि की वाणी में-७)५०, विकृत चिंतन रोग-शोक का मूलभूत कारण-६) ।

पुस्तक सूची के लिए निम्न पते पर लिखें ।

युग निर्माण योजना
गायत्री तपोभूमि, मथुरा-२८१००३
फोन : (०५६५) ४०४०००, ४०४०१५

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org